1. **दाद (Ringworm) किस प्रकार का रोग है?**
   A. जीवाणु जनित
   B. प्रोटोजोआ जनित
   C. कवक जनित
   D. विषाणु जनित (C)

व्याख्या : दाद (Ringworm) एक कवक जनित रोग है जो Microsporum, Trichophyton और Epidermophyton नामक कवकों से होता है।

2. **दाद के संक्रमण का मुख्य माध्यम क्या है?**
   A. वायु
   B. दूषित जल
   C. संक्रमित व्यक्ति की वस्तुएँ
   D. पशु के काटने से (C)

व्याख्या : दाद संक्रमित व्यक्ति की वस्तुएँ जैसे कंघी, तौलिया या कपड़े साझा करने से फैलता है। यह त्वचा के संपर्क से भी हो सकता है।

3. **दाद रोग के लक्षण क्या हैं?**
   A. फफोले और खुजली
   B. अंगूठी के आकार के धब्बे
   C. सिर पर बाल झड़ना
   D. उपर्युक्त सभी (D)

व्याख्या : दाद में त्वचा पर अंगूठी जैसे धब्बे बनते हैं, खुजली और फफोले होते हैं तथा सिर पर बाल झड़ जाते हैं।

4. **ऐस्केरियासिस (Ascariasis) किसके कारण होता है?**
   A. Wuchereria bancrofti
   B. Entamoeba histolytica
   C. Ascaris lumbricoides
   D. Plasmodium vivax (C)

व्याख्या : ऐस्केरियासिस रोग Ascaris lumbricoides नामक कृमि से होता है जो छोटी आंत में परजीवी के रूप में रहता है।

5. **ऐस्केरियासिस का संक्रमण कैसे फैलता है?**
   A. मच्छर के काटने से
   B. दूषित भोजन और पानी से
   C. हवा द्वारा
   D. त्वचा के संपर्क से (B)

व्याख्या : इस रोग के अंडे संक्रमित व्यक्ति के मल से वातावरण में पहुँचते हैं और दूषित भोजन या जल के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं।

6. **ऐस्केरियासिस के प्रमुख लक्षण क्या हैं?**
   A. पेट दर्द और बुखार
   B. आंतों में रुकावट
   C. वज़न घटना और कमजोरी
   D. उपर्युक्त सभी (D)

व्याख्या : ऐस्केरियासिस में आंत्र मार्ग में रुकावट, बुखार, पेट दर्द और वज़न में कमी जैसे लक्षण होते हैं।

7. **फाइलेरिया (Filariasis) का रोगजनक कौन है?**
   A. Plasmodium
   B. Wuchereria bancrofti
   C. Ascaris lumbricoides
   D. Entamoeba histolytica (B)

व्याख्या : फाइलेरिया रोग Wuchereria bancrofti और W. malayi कृमियों से होता है, जो मादा मच्छर के काटने से फैलता है।

8. **फाइलेरिया का वाहक कौन है?**
   A. मादा एनोफिलीज मच्छर
   B. मादा क्यूलेक्स मच्छर
   C. मादा एडीज मच्छर
   D. सैंड फ्लाई (B)

व्याख्या : फाइलेरिया का प्रसार मादा क्यूलेक्स मच्छर द्वारा होता है, जो लसीका तंत्र में संक्रमण उत्पन्न करता है।

9. **फाइलेरिया रोग का अन्य नाम क्या है?**
   A. ब्लैक डेथ
   B. हाथीपाँव रोग
   C. हड्डी तोड़ बुखार
   D. रिंगवर्म (B)

व्याख्या : फाइलेरिया रोग को हाथीपाँव (Elephantiasis) कहा जाता है क्योंकि इसमें शरीर के अंगों में अत्यधिक सूजन हो जाती है।

10. **संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों में कौन-सा शामिल है?**
    A. व्यक्तिगत स्वच्छता
    B. मच्छरदानी का प्रयोग
    C. जल स्रोतों की सफाई
    D. उपर्युक्त सभी (D)

व्याख्या : व्यक्तिगत स्वच्छता, जल स्रोतों की सफाई, कीटनाशक छिड़काव और मच्छरदानी का उपयोग रोगों की रोकथाम के प्रभावी उपाय हैं।